डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 332 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 20 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

बारात की बस का टायर फटा, सात घायल

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच के रिसाला मस्जिद इलाके से उज्जैन जिले के खाचरोद जा रही बारात की बस बुधवार रात हादसे का शिकार हो गई। मंदसौर बायपास स्थित मेडिकल कॉलेज के पास बस का पिछला पहिया फट गया। इसके बाद बस का पहिया और रिंग बस की सीटों के निचले हिस्से को फाड़ते हुए बस के अंदर आ गया। इस हादसे में बस सवार 7 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिसमें एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक बस नीमच निवासी अहमद हुसैन के बेटे जुबेर मसूदी की बारात लेकर खाचरोद जा रही थी। इसी दौरान यह हादसा होगया। कुछ घायलो का नीमच के बड़े अस्पताल में इलाज जारी है। दुर्घटना में घायल चार अन्य लोगों में से दो का इलाज मंदसौर, जबकि दो घायलों का इलाज खाचरोद में किया जा रहा है।

पानी पतासे वालों से दोस्ती निभा रहे अधिकारी..!

स्वाद के नाम पर एसिड, मसालों के नाम पर मिलावट

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। लंबे समय से पानी पतासे का व्यापार फास्ट फूड के व्यापार को टक्कर दे रहा है। शहर में पानी पतासे के करीब 100 ठेले लगते हैं। औसत डेढ़ लाख रुपए के पानी पतासे लोग रोजाना खा रहे हैं। लेकिन, इसके साथ मिलने वाले आलू, मसाले और सबसे महत्वपूर्ण पानी की शुद्धता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कई जगह पर स्वाद के चक्कर में एसिड, केमिकल का उपयोग किया जा रहा है। इधर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के अधिकारी पानी पतासे वालों से तगड़ी मित्रता निभा रहे हैं। गर्मी, बारिश और ठंड किसी भी सीजन में सबसे ज्यादा बिकने वाली इस खाद्य सामग्री की दुकानो पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने की कोशिश अधिकारियों द्वारा नहीं की गई।

पारंपरिक व्यंजनों में टाटरी का उपयोग...

सिट्रिक एसिड या जिसे आम भाषा में 'टाटरी' के नाम से जाना जाता है। टाटरी का उपयोग घरों में बनने वाले पारंपरिक व्यंजनों में किया जाता था। ये व्यंजन तीज-त्योहारों पर बनाए जाते थे। लेकिन, अब इसका इस्तेमाल व्यवसायिक रूप से किया जा रहा है, जो शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है। 'स्ट्रीट कल्चर' में इस एसिड का सबसे ज्यादा इस्तेमाल पानी तैयार करने में किया जा रहा है। जो पेट पर विपरित असर डाल रही है।

एक्सपर्ट ओपीनियन...

चिकित्सकों के मुताबिक सिट्रिक एसीड के लगातार सेवन करने से मुंह में छाले और मसूड़ों की समस्या हो सकती है। इसका प्रभाव पाचन शक्ति पर पड़ता है। जो बाद में गेस की समस्या से पीड़ित कर सकता है।

बीस रुपए में तैयार हो रहा चटपटा पानी...

20-25 रुपए की लागत में एक घड़ा भरकर चटपटा पानी तैयार हो रहा है। एक घडा पानी में औसतन तीन सौ पतासे बेच दिए जाते है। यह पानी सिट्रिक एसिड, मिर्च, धनिया मिलाकर तैयार कर लिया जाता है। एसिड होने की वजह से यह पानी जरूरत से ज्यादा खट्ठा हो जाता है, जो व्यंजनों को जायकेदार बना देता है।

यह होता है जायकेदार चाट-पतासे का पानी...

घरों में अगर पानी तैयार किया जाता है तो इसमें परंपरागत तरीका अपनाया जाता है। परंपरागत तरीके से यह पानी प्राकृतिक मसालों से तैयार किया जाता है, जो पाचक होता है। इसमें ज्यादातर आम, इमली, मुनक्का, काला नमक, जीरा, गुड़ मिलाया जाता है। इससे यह पानी जायकेदार होने के साथ लोगों की पाचन शक्ति को मजबूत करता है।

अगले माह 12 दिन बंद रहेंगे बैंक, नहीं होगा कोई काम

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सितंबर माह समाप्त होने के कगार पर है। कुछ दिन बाद अक्टूबर का महीना शुरू हो जाएगा। त्यौहारी सीजन शुरू हो रहा है। अक्टूबर के महीने में जमकर त्यौहार आने वाले हैं। फेस्टिव सीजन अपने साथ खूब छुट्टियां लेकर आता है। इसके चलते आपके कई काम अटक सकते हैं। अक्टूबर के महीने में बैंकों में छुट्टियों की भरमार है। ऐसे में अगर आपका बैंक से संबंधित कोई काम है तो उसे फटाफट निपटा लीजिए, नहीं तो आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

प्रदेश के बैंकों में भी रहेगी छुट्टी...

अक्टूबर महीने में 02 अक्टूबर को गांधी जयंती के कारण बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इसके अलावा दुर्गा पूजा, दशहरा और दीपावली ,धनतेरस, सरदार पटेल के जन्मदिन के मौके पर बैंकों की छुट्टी रहने वाली है। आरबीआई के अनुसार बैंक अवकाश अलग-अलग राज्यों और बैंकों में भिन्न हो सकते हैं। इनमें मध्यप्रदेश के बैंकों में भी छुट्टियां रहेंगी।

अक्टूबर माह में बैंक की छुट्टियां

✻ 2 अक्टूबर 2024: गांधी जयंती के अवसर पर बैंकों की छुट्टी रहेगी।
✻ 3 अक्टूबर 2024: शारदीय नवरात्रि की शुरुआत और महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर बैंकों की छुट्टी रहेगी।
✻ 6 अक्टूबर 2024: रविवार होने के कारण देशभर के बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी रहेगी।
✻ 10 अक्टूबर 2024: महा सप्तमी के अवसर पर देशभर के बैंकों की छुट्टी रहेगी।
✻ 11 अक्टूबर 2024: महानवमी के अवसर पर बैंकों की छुट्टी रहेगी।
✻ 12 अक्टूबर 2024: आयुध पूजा, दशहरा और दूसरे शनिवार के अवसर पर देशभर के बैंकों की छुट्टी रहेगी।
✻ 13 अक्टूबर 2024: इस दिन रविवार है। देशभर के बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी रहती है।
✻ 17 अक्टूबर 2024: कटि बिहू के अवसर पर असम में बैंक बंद रहेंगे। तथा प्रगट दिवस (वाल्मीकि जयंती) भी है जिस वजह से देश के अन्य राज्यों में भी बैंक बंद रहने वाले हैं।
✻ 20 अक्टूबर 2024: इस दिन रविवार होने के कारण देशभर के बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी रहेगी।
✻ 26 अक्टूबर 2024: इस दिन शनिवार है। परिग्रहण दिवस के कारण जम्मू और कश्मीर के बैंक बंद रहेंगे। जबकि, महीने के चौथे शनिवार के कारण देशभर के बैंकों की छुट्टी रहेगी।
✻ 27 अक्टूबर 2024: इस दिन रविवार होने के कारण देशभर के बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी रहेगी।
✻ 31 अक्टूबर 2024 : नरक चतुर्दशी, सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिन और दिवाली के कारण देशभर के सभी बैंक बंद रहेंगे।

कार से मिला 109 किलो डोडाचूरा, ड्रायवर गाड़ी छोड़ भागा

नारायणगढ़, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने एक कार की तलाशी ली तो उसमें से 109 किलो 200 ग्राम डोडाचूरा मिला। पुलिस आरोपी को तलाश रही है।

मुखबीर सूचना पर नारायणगढ़ थाना पुलिस ने बुधवार शाम बूढ़ा श्मशान घाट पुलिया पर नाकाबंदी कर कार क्रमांक आरजे 03 सीबी 1299 को रोका। इस दौरान मौका पाकर कार चालक भाग निकला। कार की तलाशी के दौरान 6 कट्टों में भरा 109 किलो 200 ग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने कार ड्रायवर दिलीप पिता रतनलाल गायरी निवासी चौथखेड़ी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मुखबीर के मुताबिक आरोपी ड्रायवर डोडाचूरा भरकर टकरावद से बूढ़ा, बादरी होकर हाईवे पर जाने वाला था। फिलहालल पुलिस आरोपी को तलाश रही है। उसके मिलने पर पता चलेगा कि वह डोडाचूरा कहां से लाया तथा किसे देने जा रहा था।

मामला भानपुरा में गणेश प्रतिमाएं नाले में फैंकने का...

नप कर्मचारी के बाद सीएमओ भी निलंबित

मंदसौर/भानपुरा, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भानपुरा में नगर परिषद ने गणेश विसर्जन के लिए प्रतिमाओं को एकत्रित किया। इसके बाद गंदगी के पास नदी में प्रतिमाओं को फेंका गया। इसका वीडियो वायरल होने के बाद खासा विरोध प्रदर्शन भानपुरा में हुआ। बाजार तक बंद हो गए। इसके बाद सीएमओ ने ट्रैक्टर चालक कर्मचारी को निलंबित किया। लेकिन, लोग सीएमओ के निलंबन पर अड़े रहे। इसको लेकर ज्ञापन भी दिया गया। इसके बाद संभागायुक्त ने सीएमओ मोहम्मद अशफाक को भी निलंबित कर दिया है।

सीएमओ का था उत्तरादायित्व...

संभागायुक्त द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि इस मामले में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गरोठ जिला मंदसौर से प्रतिवेदन प्राप्त किया गया। प्रतिमाएं सम्मानजनक तरीके से विसर्जन के निर्देश दिये गये थे। परन्तु नगर परिषद भानपुरा क्षेत्र में कुछ गणेश प्रतिमाएँ अस्वच्छ स्थान पर नगर परिषद के कर्मचारियों के द्वारा फेकी गई ऐसी सूचना मिलते ही भानपुरा नगर के नागरिकों द्वारा आक्रोश व्यक्त करते हुए नगर बंद एवं धरना प्रदर्शन किया गया। इस घटना के संबंध में सनातन धर्म मंडल द्वारा जिला कलेक्टर एवं विधायक गरोठ को ज्ञापन भी प्रस्तुत किये गये।

गणेश प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक निर्धारित स्थान पर विसर्जन करवाने का उत्तरदायित्व मोहम्मद अशफाक, प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद भानपुरा जिला मंदसौर का था। सीएमओ द्वारा कर्तव्य में लापरवाही बरती गई। जबकि, मुख्य नगरपालिका अधिकारी होने के नाते इन्हें स्वयं विसर्जन के समस्त कार्य का पर्यवेक्षण करते हुए निर्विघ्न रूप से विसर्जन का कार्य सम्पादित कराया जाना था। उक्त कार्य में लापरवाही बरती जाने के कारण नगर भानपुरा में कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित हुई। आदेश में सीएमओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। वहीं निलंबन की अवधि में उनका मुख्यालय परियोजना अधिकारी, शहरी विकास अभिकरण मंदसौर रहेगा। भानपुरा नगर परिषद सीएमओ का प्रभार प्रभारी तहसीलदार विवेक कुमार शर्मा को सौंपा गया है।

बता दें कि मंगलवार को गणेश विसर्जन के दौरान भानपुरा नगर परिषद द्वारा गणेश प्रतिमाओं को नये बस स्टैंड स्थित विजय स्तंभ के पास एकत्रित किया गया था। शांति समिति की बैठक में सीएमओ ने भरोसा दिलाया था कि एकत्रित की गई गणेशजी की मूर्तियों को इंद्रगढ जलाशय में विसर्जित किया जाएगा। लेकिन, नगर परिषद के कर्मचारियों ने हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करते हुए इंद्रगढ़ जलाशय की जगह ट्रैक्टर में भरी मूर्तियों को नदी में आने वाले गंदे नाले में फेंक दिया था। बुधवार को मौके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया। नगर परिषद के सामने सैकडों लोग इकट्ठा हो गए और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग को लेकर नगर बंद कर प्रदर्शन करने लगे।

सर्व हिंदू समाज का प्रदर्शन सीएमओ के निलंबन और एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर जारी रहा। देर शाम सीएमओ ने सोश्यल मीडिया पर वीडियो जारी कर सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी। लेकिन, प्रदर्शनकारी अपनी मांग पर अडे रहे। रात 9 बजे प्रशासन के अधिकारियों और सर्व हिन्दू समाज के बीच चली बातचीत के बाद सीएमओ के खिलाफ कारवाई का प्रस्ताव भेजने के आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त हुआ था।

कार में लहसून भरकर ले जा रहे थे बदमाश, किसान पहुंचा तो भागे, गिरने से एक घायल

पिपलियामंडी, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। चोरी करने आए दो बदमाश भागे, एक बदमाश गिरने से घायल हो गया, जिसे पकडकर पुलिस के सुपुर्द किया। बूढा निवासी किसान विनोद पाटीदार ने नारायणगढ थाने पर प्रकरण दर्ज कराया कि गांव में स्थित बाडे में लहसुन रखी थी। रात्रि में बाडे में सोने गया तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ था, दो बदमाश चोरी की नियत से मेरी कार में लहसुन भर रहे थे। जो देखकर भागे, एक बदमाश तो दिवार फांदकर भाग निकला वहीं दूसरा ड्रम पर चढकर भागने के चक्कर में सिर के बल गिरने से घायल हो गया, जिससे सिर व पांव में चोंट आई। घायल हुए बूढा नई आबादी निवासी राहुल मेघवाल को पुलिस के सुपुर्द किया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामला जांच में लिया।

पत्थर फेंकने वाले पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जुलूस के दौरान पत्थर फैंकने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। कचनारा निवासी तेजपालसिंह पिता विजयसिंह राजपूत ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि अनंत चतुर्दशी पर जुलूस के दौरान कोटडीमाण्डा कचनारा मार्ग पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने पत्थर फेंका। गनीमत रही किसे चोंट नही आई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया।

नगर के प्रगति चौराहा पर गंभीर दुर्घटना...

दो ट्रकों के बीच ओवरटेक में फंसी कार

दलौदा, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के प्रगति चौराहा फोरलेन पर एक कार ओवरटेक करने के चक्कर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार शाम 7 बजे प्रगति चौराहा पर एक कार क्रमांक एमपी 41 सीए 1695 ओवर टेक के चक्कर में ट्रको के बीच फंस गया। जिससे कार को ट्रक क्रमांक एनएल 01 ए एच 4558 को ठोक दिया। जिससे की कार चकनाचूर हो गई। मौके पर कोई न तो जनहानि हुई न ही कोई घायल हुआ।

कार में फतेहगढ निवासी निर्मल पिता देवीचंद जाति सूर्यवंशी उम्र 45 वर्ष निवासी फतेहगढ थाना दलौदा एवम इनका पुत्र सवार था। दुर्घटना होने के बाद फोरलेन पर लम्बा जाम लग गया। आम जनता ने कार को साइड में किया और ट्रक को थाने में जमा कराया। मामले में पुलिस जांच में जुटी हैं।

धूप से गर्मी और उमस का असर, शाम को झमाझम

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। विगत कुछ दिनो से अंचल में बारिश पर ब्रेक लगा हुआ है। इधर धूप से गर्मी और उमस का असर भी रहा। लेकिन, गुरुवार शाम को करीब आधा घंटा झमाझम बारिश ने कुछ राहत दी।

मौसम जानकारों के अनुसार मध्यप्रदेश में एक्टिव बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम अब कमजोर होकर आगे बढ़ गया है। इससे अगले तीन-चार दिन धूप खिली रहेगी। वैसे तो बारिश की संभावना नहीं है। लेकिन, कोई -कोई बदली अचानक बरस सकती है। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के मुताबिक एक सप्ताह से लो प्रेशर एरिया, मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी रही। इस वजह से प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का दौर बना रहा, लेकिन अब सिस्टम आगे बढ़ गया है। 22 सितंबर तक कहीं भी तेज बारिश होने का अनुमान नहीं है। जिले में गुरुवार सुबह तक 33.16 इंच (842 मिमी) औसत बारिश दर्ज की गई है। इधर चंबल नदी पर बने गांधी सागर बांध का जलस्तर 1310. 40 फीट पहुंच गया है।

रात में रहने लगी ठंडक...

इस साल अभी से रात के समय हल्की ठंडक दिखाई दे रही है। इसलिए माना जा रहा है कि इस बार ठंड जल्दी दस्तक दे सकती है। बंगाल की खाड़ी से एक और मानसूनी सिस्टम के उठने की संभावना है। इसका असर सितंबर अंत तक रह सकता है। इसके कारण वातावरण में लगातार ठंडक रह सकती है। रात के तापमान में दिखने लायक गिरावट अक्टूबर से शुरू होने का अनुमान है। अपने यहां ठंड के लिए उत्तरी हवा का आना सबसे जरूरी है। इसके लिए सबसे जरूरी मौसमी सिस्टम वेस्टर्न डिस्टरबेंस का उत्तरी इलाके में पहुंचना आवश्यक है। उसके पहुंचने से पहाड़ों पर बर्फबारी होने के बाद बर्फ पिघलती है। जिसके बाद पहाड़ों से बर्फीली हवा आती है, तब मालवा-निमाड़ में अच्छी ठंड पड़ती है।

सामान्य तौर पर शारदीय नवरात्र के दिनों में रात में ठंडक होने लगती है। दीपावली से इसमें इजाफा होने लगता है। नवंबर के दूसरे पखवाड़े से मंदसौर में दिन में ठंडक बढ़ने लगती है। इस बार अक्टूबर से ही बदलाव होने के आसार हैं। 03 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि शुरू हो रही है। तभी से रात में जल्द ठंडक होने लगेगी। रात के तापमान में अक्टूबर से ही गिरावट होने की संभावना है। अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में तापमान 16-17 डिग्री पहुंच सकता है। मौसम विज्ञान में जिस तरह से नौतपा का स्थान नहीं है इस तरह माइथोलॉजी के यह दिन भी शामिल नहीं किए जाते। यह सिर्फ आमजन को बताना आवश्यक है।

बच्चों को पर्यावरण के जोखिम के साथ सोशल मीडिया के मानसिक आतंक से मुक्ति जरूरी...

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दुनिया भर के बच्चों से लेकर किशोरो तक पर्यावरण के जोखिम तो बढ़ही रहे हैं। किन्तु, इससे बहुत अधिक सोशल मीडिया के कारण मानसिक आतंक भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका नकारात्मक प्रभाव दुनियाई मानव समाज पर साफ नजर आने लगा है। तकनीकी और व्यावहारिक दृष्टिसे देखें तो इस पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो यह सिर्फ किशोरो तक को ही नहीं पूरी मानव जाति को प्रभावित करेगा और नुकसान भी पहुंचाने वाला साबित होगा। यह बातें दुनिया भर के शक्तिशाली राष्ट्र प्रमुखों से लेकर सामाजिक और तकनीकी जानकारो के संज्ञान में है। पर, एटॉमिक प्रतिस्पर्धा के युग में प्रत्येक प्रगतिशील राष्ट्र चाहता है कि दुनिया के सभी राष्ट्रों पर उसके राष्ट्र की टेक्नोलॉजी हावी रहे और नेतृत्व भी उसी का मान्य किया जाए।

ऐसा होने के आसार भी करीब ही नजर आने लगे हैं। जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जिसे ए.आई. के नाम से ख्याति मिल रही है, दूसरी तरफ टेक्नोलॉजी की लगातार हो रही खोज के कारण पर्यावरण में लगातार दूषित हवाओं से मनुष्य के लिए खासकर नवजात शिशुओं के लिए भयावह स्थिति बनते जा रही है। साफ कहें तो वायु प्रदूषण के कारण बच्चों से लेकर किशोरो तक के जीवन में खतरा बढ़ता जा रहा है।

चन्द्रमोहन भगत

अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान मुंबई तथा अन्य शोधकर्ताओं के दल ने 700 से अधिक जिलों में सूक्ष्म कण पीएम 2.5 संबंधी प्रदूषण के स्तर पर अध्ययन में पाया है कि बच्चों में वायु प्रदूषण के कारण मौत का जोखिम नवजात शिशुओं पर 86 प्रतिशत, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 100 से 120, तथा वयस्कों में 13 प्रतिशत बढ़ा है। भारत में जहां सूक्ष्म कण पीएम 2.5 एन ए ए ओ एस के स्तर तक हैं, वहां नवजात तथा 5 साल से कम उम्र बच्चों में मृत्यु का जोखिम लगभग दोगुना से अधिक होता है। भारत में सिंधु गंगा के मैदानी क्षेत्र में पीएम 2.5 से अधिक स्तर का प्रदूषण पाया गया है।

पर्यावरण प्रदूषण के प्रहार के अलावा वर्तमान में सोशल मीडिया एक सुविधा होने के साथ ही दुनिया भर के नवयुवकों की जिस तरह आवश्यक आदत बनता जा रहा है, यह भी किसी जोखिम घटक से कम नहीं है। इसलिए अब दुनिया भर के मनोवैज्ञानिक, समाज सुधारक, शैक्षणिक जगत के हस्ताक्षर भी सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर चिंता प्रकट करने लगे हैं। कुछ राष्ट्रों में तो सरकार भी युवाओं में फैल रही सोशल मीडिया प्रयोग की आदतों की चिंता पर संज्ञान लेने लगी है। भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का हिस्सा 67.5 प्रतिशत तो सोशल मीडिया का 59.90 प्रतिशत है।

अब इसी सोशल मीडिया को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेतार की तरंगों से काम करने वाली जिसे सर्वशक्तिमान भी कहा जा सकता है और भी अधिक उपयोग करने लायक बना दिया है। इंटरनेट के साथ मोबाइल फोन का बढ़ता उपयोग किशोर और युवाओं को ज्ञान पाने की सुविधा के अलावा गलत, मर्यादा रहित, वयस्क कार्यक्रमों को देखने का आदि बनाते जा रहा है। इसी के साथ बच्चों से लेकर युवाओं तक जागृत अवस्था का ज्यादा समय मोबाइल देखते गुजर ने से गर्दन की, रीड की हड्डी और आंखों की बीमारियों का व्यापक स्तर पर असर नजर आ रहा है। इससे परेशान दुनिया भर की पालक संस्थाओ ने आवाज उठाना शुरू कर दिया है। हाल ही में दो-तीन राष्ट्र के नेतृत्व ने बीते साल 24 घंटे में मोबाइल का उपयोग 15 मिनट बंद करवा कर एक शोध किया था। नतीजे सकारात्मक आए थे, ऐसे छात्रों की प्रतिरोध क्षमता में सुधार होकर खुश और स्वस्थ रहने का ग्राफ बढ़ा था। वर्ष 2021 में अमेरिकी बाल चिकित्सकों की अकादमी ने बाल बुद्धि पर इससे होने वाले कुप्रभाव के कारण बाल मानसिक स्वास्थ्य में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की थी। अमेरिकी रोग नियंत्रक केंद्र ने भी चेतावनी जारी की है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बच्चों, युवाओं में सोशल मीडिया के लगातार प्रयोग से होने वाले नकारात्मक प्रभावों के लिए ऐसी संस्थाओं का निरीक्षण कर जिम्मेदारी तय करने वाला कानून बनाने के लिए राज्य संघों में बात कही है। आने वाले समय में सोशल मीडिया का उपयोग वैश्विक समस्या बन जाने के करीब है। इसलिए भारतीय विचारकों, चिकित्सकों को मिलकर इसके उपयोग की समय सीमा तय करना होगी। जैसा कि कुछ राष्ट्र रात में 9:00 बजे के बाद से इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर चुके हैं।

विचार-मंथन

वकीलों के झूठ पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता...

हर अधिवक्ता अदालत में इसी संकल्प और तैयारी के साथ उतरता है कि वह अपने मुवक्किल को इंसाफ दिलाएगा। वकालत के पेशे में नैतिक दायित्व भी यही होता है और इसी से वकील की साख बनती है। इसलिए हर वकील कानूनी बारीकियां और दलीलें पेश करते हुए अपने मुवक्किल के पक्ष को सही ठहराने का प्रयास करता है। अदालतें भी उन पर भरोसा करके चलती हैं। दरअसल, वकील अपने मुवक्किल और न्यायाधीश के बीच एक सेतु होता है। इस तरह कई बार न्यायाधीशों को भी वकीलों की जिरह से कानून की बहुत सारी बारीकियों समझने में मदद मिलती है। मगर वकील जब इस विश्वास के रिश्ते का फायदा उठा कर, जानबूझ कर अदालत की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास करते हैं, तो उससे पूरी न्याय प्रक्रिया गुमराह होती और न्याय का रास्ता बाधित होता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसी प्रवृत्ति पर चिंता प्रकट करते हुए कहा है कि वकीलों के झूठे बयानों से हमारा विश्वास डगमगा जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने नोट किया कि पिछले तीन-चार हफ्तों में सात-आठ ऐसे मामले सामने आए, जिसमें वकीलों ने झूठे बयान देकर अपने मुवक्किल की सजा माफ करने या उसमें छूट देने की गुहार लगाई। कानून में यह प्रावधान है कि किसी दोषी के अच्छे आचरण और खराब स्वास्थ्य आदि के मद्देनजर उसकी सजा कम या खत्म की जा सकती है। मगर उसके लिए न्यूनतम अवधि की सजा काटना जरूरी होता है। इसी तरह कुछ पारिवारिक और व्यक्तिगत कारणों से कैदियों को कुछ दिन फरलो पर बाहर रहने की इजाजत दी जा सकती है। इन्हीं प्रावधानों का लाभ उठाते हुए कुछ वकील अपने मुवक्किल को समय से पहले सलाखों से बाहर निकालने का प्रयास करते हैं। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने जिन मामलों का संज्ञान लिया, उनमें देखा गया कि वकीलों ने झूठे बयान और दलील देकर सजा माफी की गुहार लगाई। एक मामले में सजायाफ्ता चार कैदियों को लेकर कहा गया कि वे चौदह वर्ष की सजा काट चुके हैं। यह भी बताया गया कि चारों को हत्या के मामले में सजा दी गई थी। मगर अदालत को पता चला कि उन्होंने न केवल चौदह वर्ष की सजा पूरी नहीं की थी, बल्कि चारों को अलग-अलग मामलों में दोषी ठहराया गया था। इसी तरह एक मामले में बताया गया कि फरलो पर बाहर गए सभी कैदियों की फरलो अवधि अभी पूरी नहीं हुई है। ऐसे ही अन्य मामले देखे गए। निस्संदेह इस प्रवृत्ति से न्यायिक शुचिता प्रश्नांकित होती है। हालांकि इस संदर्भ में यह भी चिंताजनक है कि जघन्य अपराध के दोषियों को समय से पहले सलाखों से बाहर निकालने की प्रवृत्ति पैदा कहां से हुई है। पिछले कुछ वर्षों में अनेक ऐसे प्रसंग सामने आए हैं, जिनमें राज्य सरकारों ने हत्या और बलात्कार जैसे मामलों में सजायाफ्ता लोगों की सजा माफी की सिफारिश की। कुछ अपराधियों को बार-बार फरलो दी गई। समझना मुश्किल नहीं है कि इस राजनीतिक पक्षपातपूर्ण व्यवहार का विस्तार हुआ है। फिर, वकालत के पेशे में भी नैतिकता का प्रकट ह्रास हुआ है। निचली अदालतों में फैसलों को प्रभावित करने की प्रवृत्ति भी जड़ें जमा चुकी है। इसलिए झूठे दस्तावेजों और बयानों के बल पर अधिवक्ता अगर अदालतों को गुमराह करते देखे जा रहे हैं, तो हैरानी की बात नहीं। अच्छी बात है कि शीर्ष अदालत ने इस प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कुठाराघात किया। शायद आगे ऐसे झूठ और फरेब पर नकेल कसे।

क्वाड फैक्टर: कैसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र का भविष्य सुरक्षित कर रहे हैं चार देश

जीन-पियरे ने कहा, +बाइडेन-हैरिस प्रशासन ने 2021 में व्हाइट हाउस में पहली बार आयोजित क्वाड लीडर्स समिट से लेकर तब से वार्षिक शिखर सम्मेलनों तक क्वाड को ऊपर उठाने और संस्थागत बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है.हाल के वर्षों में, क्वाड विदेश मंत्रियों ने आठ बार मुलाकात की है, और क्वाड सरकारें सभी स्तरों पर मिलना और समन्वय करना जारी रखे हुए हैं.+ यह क्वाड की व्यक्तिगत रूप से चौथी शिखर-स्तरीय बैठक होगी, जबकि दो अन्य वर्चुअल प्रारूप में आयोजित की गई थीं. क्वाड ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच एक रणनीतिक सुरक्षा वार्ता है. इसके तहत सदस्य देशों बातचीत सुरक्षा के पहलुओं पर बातचीत करते हैं. इस वार्ता की शुरुआत 2007 में तत्कालीन जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री जॉन हॉवर्ड और तत्कालीन अमेरिकी उपराष्ट्रपति डिक चेनी के समर्थन से की थी. इस वार्ता के समानांतर अभूतपूर्व पैमाने पर संयुक्त सैन्य अभ्यास किया गया, जिसका नाम मालाबार अभ्यास था. कूटनीतिक और सैन्य व्यवस्था को व्यापक रूप से इंडो-पैसिफिक में बढ़ती चीनी आर्थिक और सैन्य शक्ति की प्रतिक्रिया के रूप में देखा गया, जो जापान के पूर्वी तट से अफ्रीका के पूर्वी तट तक फैला हुआ क्षेत्र है. क्वाड को एशियाई लोकतंत्र आर्क की स्थापना करनी थी, जिसमें मध्य एशिया, मंगोलिया, कोरियाई प्रायद्वीप और दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य देश शामिल होने की परिकल्पना की गई थी. सिवाय चीन के. इस वजह से कुछ आलोचकों ने इस परियोजना को चीन विरोधी कदम कहा. क्वाड की पहली आधिकारिक बैठक मई 2007 में मनीला में एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस (.स्थ्रह) क्षेत्रीय फोरम के दौरान हुई थी. ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री हॉवर्ड ने चेनी के आग्रह पर क्वाड की उद्घाटन बैठक में अन्य सदस्यों के साथ भाग लिया, जो भारत, जापान और अमेरिका द्वारा टोक्यो के पास संयुक्त नौसैनिक अभ्यास के एक महीने बाद हुई थी. सितंबर 2007 में, ऑस्ट्रेलिया सहित बंगाल की खाड़ी में और नौसैनिक अभ्यास आयोजित किए गए. इसके बाद अक्टूबर में जापान और भारत के बीच एक और सुरक्षा समझौता हुआ, जिसका अनुमोदन मनमोहन सिंह की टोक्यो यात्रा के दौरान किया गया, जिसका उद्देश्य समुद्री मार्ग सुरक्षा और रक्षा सहयोग को बढ़ावा देना था. इससे पहले जापान ने ऐसा समझौता केवल ऑस्ट्रेलिया के साथ ही किया था. आबे के बाद जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री तारो एसो ने क्वाड के निर्माण के बाद हस्ताक्षरित जापान-भारत समझौते में चीन के महत्व को कम करके आंका. तत्कालीन भारतीय विदेश सचिव शिव शंकर मेनन ने भी इसी तरह तर्क दिया कि जापान के साथ भारतीय माल व्यापार के कारण रक्षा समझौते में बहुत देरी हुई और इसमें विशेष रूप से चीन को लक्षित नहीं किया गया. जनवरी 2008 में चीन की यात्रा और तत्कालीन प्रधानमंत्री वेन जियाबाओ और तत्कालीन राष्ट्रपति हू जिंताओ के साथ बैठकों के दौरान, क्वाड के बारे में पूछे जाने पर मनमोहन सिंह ने घोषणा की कि भारत किसी भी तथाकथित चीन को नियंत्रित करने के प्रयास का हिस्सा नहीं है. हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के कारण क्वाड प्रक्रिया में बाधा आई. 2008 में नए प्रधानमंत्री केविन रुड के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया ने चीन की प्रतिक्रिया पर चिंताओं और बीजिंग के साथ अपने आर्थिक संबंधों को प्राथमिकता देने के कारण क्वाड से खुद को अलग कर लिया. कुछ अमेरिकी रणनीतिक विचारकों ने क्वाड छोड़ने के रुड के फैसले की आलोचना की. अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पूर्व एशिया निदेशक माइक ग्रीन ने कहा कि चीन को खुश करने के प्रयास में रुड ने खुद को अलग कर लिया, जिसने उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त कूटनीतिक प्रयास किए थे. दिसंबर 2008 में अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट मैक्कलम द्वारा लिखित एक लीक राजनयिक केबल से पता चलता है कि रुड ने क्वाड छोड़ने से पहले अमेरिका से परामर्श नहीं किया था. ऑस्ट्रेलिया के इस कदम ने क्वाड को लगभग एक दशक तक रोक कर रखा. 2017 तक दक्षिण चीन सागर में चीन की मुखरता, बढ़ते सैन्यीकरण और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पसंदीदा बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (ञ्चह्र) के बढ़ते प्रभाव के बारे में बढ़ती चिंताओं के साथ इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक माहौल काफी विकसित हो चुका था. नवंबर 2016 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप और आबे मिले और जापान द्वारा %फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक रणनीति को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए, जो मूल रूप से पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन द्वारा विकसित एक अवधारणा थी. इस समझौते को चीन के BRI के जवाब के रूप में देखा गया. 2017 से 2019 के बीच क्वाड की पांच बार बैठक हुई. 2018 में नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग के दौरान जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के नौसेना प्रमुख एक साथ आए, जो क्वाड के सुरक्षा ढांचे के पुनरुद्धार के पहले संकेतों में से एक था. 2019 में, चार मंत्रियों ने क्वाड में सुधार पर चर्चा करने के लिए न्यूयॉर्क में और फिर बैंकॉक में मुलाकात की. अगली गर्मियों में, भारत, जापान और अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को मालाबार में समन्वित नौसेना अभ्यास के लिए आमंत्रित किया. पहली क्वाड शिखर बैठक 12 मार्च, 2021 को वर्चुअल मोड में आयोजित की गई थी.इस शिखर सम्मेलन में मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति बिडेन, तत्कालीन जापानी प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा और तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भाग लिया था. क्वाड ने 2022 के अंत तक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक बिलियन कोविड-19 वैक्सीन खुराक देने की एक बड़ी पहल की घोषणा की. उसी साल 24 सितंबर को बाइडेन ने वाशिंगटन में क्वाड के पहले व्यक्तिगत शिखर सम्मेलन की मेजबानी की. पहले वर्चुअल शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य तीन नेता वाशिंगटन बैठक में शामिल हुए. सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सप्लाई चेन में लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए एक नई पहल शुरू की गई, जो इस क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व पर चिंताओं को दर्शाती है. क्वाड देशों ने अपनी साइबर सुरक्षा स्थिति में सुधार करने और रैनसमवेयर हमलों और अन्य डिजिटल खतरों के खिलाफ बेहतर सुरक्षा बनाने पर सहमति व्यक्त की. इसमें समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने के किसी भी प्रयास की निंदा करने के अलावा, क्षेत्र में चीन की कार्रवाइयों का एक सूक्ष्म संदर्भ देते हुए, क्वाड ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मानवीय सहायता और आपदा राहत के लिए एक नए तंत्र का आह्वान किया गया।

नए कानून उपयोगी मगर पुलिस पर अविश्वास यथावत

राजेन्द्र मोहन शर्मा

औपनिवेशक काल में अंग्रेजों ने परिस्थितियों के अनुसार भारतीय दंड संहिता (1860), दंड प्रक्रिया संहिता (1862) संशोधित (1973) व भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का प्रचलन किया। हालांकि इन कानूनों को बड़े तर्कसंगत व व्यापक रूप से बनाया गया था, मगर समय की मांग के अनुसार इनमें परिवर्तन लाना आवश्यक था। इसके लिए विभिन्न अंतरालों में कई समितियां बनाई गईं। उदाहरणतः जस्टिस मलीमथ समिति, न्यायमूर्ति वर्मा समिति, रणवीर सिंह समिति व अंत में विधि आयोग ने अपनी-अपनी रिपोर्टों में अपराधों में त्वरित व अधिक सजा रखने की सिफारिशें की थीं। अंततः इन तीनों कानूनों का नया प्रारूप तैयार किया गया जिनका नाम क्रमशः भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक संहिता व भारतीय साक्ष्य संहिता रखा गया है। यह तीनों एक्ट इसी वर्ष प्रथम जुलाई से लागू कर दिए गए हैं। इन कानूनों में जिन आधारभूत बातों में परिवर्तन लाया गया है, इनका विवरण इस प्रकार से है: -नए कानूनों में दंड की जगह त्वरित न्याय देने पर बल दिया गया है। तीन वर्ष की सजा वाले मुकदमों में दोनों पक्षों की सहमति से मुकदमों का निष्पादन किया जा सकता है । साधारण प्रवृत्ति वाले मुकदमों में सजा के स्थान पर सामाजिक कार्यों के लिए बाधित किया जाएगा। बलात्कार व मॉबलिंचिंग जैसे अपराधों में फांसी तक की सजा का प्रावधान किया गया है । किसी भी मुकदमे को पुलिस द्वारा 6 माह से ज्यादा लम्बित नहीं रखा जाएगा। पुलिस को 90 दिनों के भीतर पीड़ित व्यक्ति को मुकदमे की मौजूदा स्थिति के बारे में अवगत करवाना होगा। यदि कोई मुकदमा रद्द किया जाना है तो फरियादी को इस संबंध में अवगत करवाना आवश्यक है। 15 साल तक के बच्चों, महिलाओं व 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों को थाने में नहीं बुलाया जाएगा। प्रथम सूचना रिपोर्ट किसी भी थाने में लिखवाई जा सकती है। सात साल से अधिक सजा वाले मुकद्दमों में फॉरेंसिक अन्वेषण करना आवश्यक बनाया गया है। तलाशी व जब्ती के समय वीडियोग्राफी करना न केवल आवश्यक बल्कि उसकी एक डिजीटल कॉपी 48 घंटे के अंदर न्यायालय तक पहुंचानी होगी। किसी भी बड़ी सजा को पूरी तरह से माफ नहीं किया जा सकता। मृत्युदंड को आजीवन कारावास में, 10 वर्ष की सजा को 7 वर्ष तक व 7 वर्ष तक की सजा को 3 वर्ष तक माफ किया जा सकता है। सरकारी मुलाजिम, जो अपराधी हो, की अभियोजन स्वीकृति को 4 महीने के अंदर देना आवश्यक होगा। आवश्यकता अनुसार पुलिस को बिना कोर्ट की इजाजत से मुलजिमों को हथकड़ी लगाने का अधिकार दिया गया है। इसी तरह न्यायालयों के लिए भी त्वरित कार्रवाई करने हेतु कुछ नियम बनाए गए हैं ताकि पेशी दर पेशी वाली प्रथा पर रोक लगाई जा सके। न्यायालय को दोषी पर लगने वाले चार्जिस 60 दिनों के भीतर लगाने होंगे तथा सुनवाई समाप्त होने के 45 दिन के भीतर फैसला सुनाना होगा। इसके अतिरिक्त और भी कई परिवर्तन किए गए हैं जिनसे लोगों को त्वरित न्याय मिल पाएगा। मगर इन कानूनों में लाए गए परिवर्तनों से पुलिस के कार्य को न केवल वैसे ही यथावत रखा गया है बल्कि काफी पेचीदा भी बना दिया गया है। पुलिस के प्रति अविश्वास की भावना में कोई परिवर्तन नहीं लाया गया है। अभियोजन पक्ष को कहीं भी जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है जोकि किसी अपराधी को सजा दिलवाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं और जब अपराधी सजामुक्त हो जाते हैं तब पुलिस को दोषी ठहराया जाएगा। पुलिस के पहले की तरह ही किसी गवाह/ अपराधी के बयानों पर हस्ताक्षर करवाने की मनाही है। कितनी विडम्बना है कि पुलिस द्वारा लिखे गए बयानों से गवाह न्यायालय जाकर मुकर जाते हैं तथा अपराधी सजामुक्त हो जाते हैं। नए एक्ट की धारा 105 के अंतर्गत पुलिस को तलाशी व जब्ती की रिकार्डिंग की डिजिटल कॉपी न्यायालय में 48 घंटे के अंतर्गत पहुंचानी होगी। यहां यह बताना उचित है कि कम्प्यूटर में एक विशेष 'एप' के अंतर्गत इस रिकार्डिंग को सुरक्षित रखा जाता है तथा बयानों की एक 'हैश वैल्यू' निकाली जाती है जिसे दोबारा चाहने पर भी बदला नहीं जा सकता तथा ऐसे में इस रिकार्डिंग का न्यायालय में 48 घंटे के अंदर भेजने का कोई औचित्य नहीं है।

सामान्य से ज्यादा बारिश के बावजूद बरकरार मानसून

(केजे रमेश, पूर्व निदेशक, भारतीय मौसम विभाग)मानसून की विदाई के फिलहाल कोई संकेत नहीं हैं। बंगाल की खाड़ी में एक और कम दबाव का क्षेत्र बन चुका है, जो इस हफ्ते तक धीरे-धीरे पूरे उत्तर-पश्चिम भारत को भिगोएगा। मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान तक इसका असर दिख सकता है। वास्तव में, यह लगातार चौथा सप्ताह है, जब कहीं न कहीं बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना और बहुत इलाकों में तेज बारिश होती रही। अभी पिछले हफ्ते ही इंदौर और झांसी के बीच बारिश होने के बाद कम दबाव का क्षेत्र पश्चिमी विक्षोभ के संपर्क में आया और पहाड़ की तरफ आगे निकल गया। इसके कारण दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश होती रही। नेपाल का पश्चिमी हिस्सा भी इससे प्रभावित रहा। कहीं-कहीं तो तूफानी हवा के साथ भारी से अत्यधिक भारी बारिश हुई। इसका असर आम जनजीवन पर भी पड़ा। यह सही है कि सितंबर महीने तक मानसून का चक्र पूरा हो जाता है, लेकिन यह गणना अनुमान पर आधारित होती है। तकनीकी तौर पर मानसून का चक्र जून से सितंबर तक ही होता है, लेकिन जब 1 जून को केरल के तट से मानसून टकराता है, तो उसके बाद पूरे देश में उसके फैलने का महज अनुमान लगाया जाता है। इसमें बीच-बीच में सुधार भी किया जाता है, क्योंकि मौसमी परिस्थितियों के कारण मानसून का असर कम-ज्यादा होता रहता है। वास्तव में, इस साल पिछले गुरुवार तक मानसूनी बारिश सामान्य से 8.25 प्रतिशत ज्यादा हुई है। बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों के कुछ जिलों में बेशक सामान्य से कम बारिश देखी गई, लेकिन समग्रता में बीते कुछ वर्षों में हमने सबसे बेहतर मानसून इसी साल देखा है। इसका सबसे बड़ा संकेत हमारे जलाशय हैं। उनमें सामान्य से ज्यादा पानी भर गया है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक ऐसा कोई जलाशय नहीं, जिसमें पानी लबालब न हो। इसका फायदा यह है कि खरीफ फसलों के लिए जितना पानी हमें चाहिए, वह तो हमारे पास उपलब्ध हो ही गया, रबी की अगली फसलों के लिए भी पर्याप्त पानी हमने जमा कर लिया है। यह स्थिति तब है, जब बारिश लगातार होने से कई जगहों पर सिंचाई की आवश्यकता नहीं महसूस की जा रही। ऐसा बहुत वर्षों बाद देखने को मिला है। जाहिर है, जलाशयों में पानी की यह अधिकता फसलों को काफी फायदा पहुंचाएगी। अच्छी मानसूनी बारिश का लाभ सिर्फ जलाशयों और फसलों को ही नहीं मिलता है, पेयजल के मामले में भी हमें काफी राहत मिल जाती है। आकलन तो यही है कि अब तक जितनी बारिश हो चुकी है, उस हिसाब से अगले मानसून तक पीने के पानी की कहीं कोई कमी शायद ही दिखे। यह उन इलाकों के लिए सुखद स्थिति है, जहां गर्मी के मौसम में भूजल का स्तर नीचे चला जाता है और लोगों को पीने के पानी के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। देखा जाए, तो मौसम विभाग ने हमेशा की तरह इस बार भी सटीक अनुमान किया है। कुछ जिलों में अगर बारिश आकलन के मुताबिक नहीं हुई है, तो उसका ज्यादा असर नहीं पड़ने वाला। पंजाब और हरियाणा के उन जिलों में, जहां सामान्य से कम बारिश हुई है, सिंचाई का पूरा जाल बिछा हुआ है और बारिश के पानी पर फसलों की निर्भरता नहीं है। कुछ यही हाल उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का है, जहां औसत से कम बारिश फसलों को शायद ही बड़ा नुकसान पहुंचाएगी। यही कारण है कि इस साल फसलों की बंपर पैदावार की उम्मीद की जा रही है। इसलिए, सूखा संबंधी रिपोर्ट का कोई तुक नहीं है।

मौजूदा सरकार में एक राष्ट्र एक चुनाव को लागू करेंगे: अमित शाह

आज का राशिफल

मेष [illegible] शुभांक-2-4-6

वृषभ [illegible] शुभांक-3-4-5

मिथुन [illegible] शुभांक-2-4-5

कर्क [illegible] शुभांक-4-6-7

सिंह [illegible] शुभांक-4-6-8

कन्या [illegible] शुभांक-2-5-7

तुला [illegible] शुभांक-3-5-7

वृश्चिक [illegible] शुभांक-2-4-6

धनु [illegible] शुभांक-4-6-8

मकर [illegible] शुभांक-6-7-9

कुंभ [illegible] शुभांक-3-5-7

मीन [illegible] शुभांक-2-4-8

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5362

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5361

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5362

संकेत: बाएं से दाएं

1. संसार की सबसे अधिक सड़कें इस देश में है (3)
4. भारत की इस नदी को वृद्धगंगा भी कहा गया है (4)
7. राजपथ को यह भी कहते हैं (3)
8. वह जो दूसरों को कुछ न कुछ देते रहता हो (3)
9. कुछ समय के लिए रोकने का भाव, निलंबन, रूकावट (2)
11. इस कृति के लिए महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था (2)
13. छंद गति, संगीत तर्ज, नीर और क्षीर मिश्रण (2)
15. [illegible] (3)
16. सुंदर स्त्री, पूर्व प्रसारित टीवी धारावाहिक महाभारत में कुंती की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री (4)
17. [illegible] (5)
20. पशु, मवेशी (4)
21. [illegible], हीरा (3)
22. नासमझ, अनुभवहीन, भोला (3)

ऊपर से नीचे

1. तकदीर या किस्मत के सितारे चमकना, भाग्योदय होना (5)
2. पत्थर के कण, धूल, गर्द (2)
3. दलबंदी से दूर रहने वाला, उदासीन (3)
4. यह मुंशी प्रेमचंद का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण उपन्यास माना जाता है (3)
5. देने वाला, दायक (2)
6. विवाह हेतु वर का वधू के यहां संबंधी रिश्तेदारों को यहां जाना (4)
10. [illegible], तेज आवाज करना (4)
12. माह, तीस दिनों का समय, महीना (2)
14. [illegible] (4)
15. [illegible] (5)
18. मोड़, [illegible] (2)
19. [illegible] बोलने वाला और अस्पष्ट उच्चारण करने वाला (3)
20. हरियाणा की प्रसिद्ध जाति (2)

वर्ग पहेली 5361 का हल

उ	न	र	प्र	दे	श		मो
मा		ज	ति	न		स	दा
भा	र	त		प		ल	य
र	ज		मो	र	स		ही
ती	न	र			दं		
	प	थ	न	पु	र		स
अ	ट	क	ल			ता	ज
ज		ना	क	र	ग	ड़	ना

सार्वजनिक परिवहन शुरू करने की कवायद

राजस्थान रोडवेज की बसें भी 30 से घटकर 09 हुई, चरणबद्ध तरीके से लोक परिवहन सुविधा का होगा विस्तार

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। एक समय मप्र राज्य परिवहन निगम की बसें रोड से गायब होने लगी थीं। ठीक उसी तर्ज पर अब राजस्थान रोडवेज बसों के हालात हैं। बसें अपनी टाइमिंग की पाबंदी, कम दर और आरामदायक सफर के लिए पहचान रखती हैं। बावजूद इनकी संख्या लगातार घट रही है। मंदसौर के नेहरू और महाराणा प्रताप बस स्टैंड से 2019 में राजस्थाना रोड़वेज की 30 बसों का संचालन हो रहा था, जो 2024 में घटकर 09 रह गई हैं। हालांकि मध्यप्रदेश में लोक परिहवन सेवा को नए स्वरूप में प्रारंभ

करने की कवायद शुरु हो गई है।

इसके लिए मेट्रो रेल कारपोरेशन की तरह एक कंपनी बनाकर पूर्व के सड़क परिवहन निगम की तरह सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बढ़ाया जाएगा। कंपनी को राज्य सरकार की ओर से अनुदान भी दिया जा सकता है। अभी अलग-अलग सरकारी एजेंसियों द्वारा संचालित लोक परिवहन सेवाओं का नियंत्रण इस कंपनी को देने पर विचार चल रहा है। परिवहन विभाग यह परीक्षण कर रहा है कि लोगों के सुगम यातायात के लिए सार्वजनिक परिवहन का कौन सा मॉडल उचित हो सकता है। निजी बस ऑपरेटरों से अनुबंध कर उन्हें सार्वजनिक परिवहन में शामिल नहीं किया जाएगा। दूसरा, सार्वजनिक परिवहन सुविधा एक साथ नहीं बल्कि चरणबद्ध तरीके से प्रारंभ की जाएगी। बता दे कि वर्ष 2005 में सड़क परिवहन निगम बंद होने से प्रदेश स्तरीय सार्वजनिक परिवहन सेवा नहीं है। स्थानीय स्तर पर नगरीय निकायों द्वारा कंपनी बनाकर कुछ बसों का संचालन किया जाता है।

निजी यात्री बसों की संख्या 300 के पार पहुंची...

जिले के मंदसौर शहर, सीतामऊ, गरोठ, भानपुरा, शामगढ़ समेत अन्य रूटों से 300 से ज्यादा निजी यात्री बसों का संचालन हो रहा है। खासकर तीन साल के दौरान इनकी संख्या में 25 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। एयर कंडीशन, नॉन स्टॉप, डीलक्स समेत अन्य कैटेगरी के अलावा अंचल में चलने वाली 28 सीटर यात्री बसें भी इनमें शामिल हैं।

किसान दिवस के उपलक्ष्य में विशेष सदस्यता अभियान चलाया

दलौदा, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देशभर में भाजपा का सदस्यता अभियान कार्यक्रम संगठन पर्व के रूप में चलाया जा रहा हे जिसको लेकर मंदसौर जिला अध्यक्ष श्री नाना लाल अटोलिया ने नेतृत्व में पूरे जिले भर में अभी तक 1 लाख 35 हजार से अधिक सदस्य बनाए गए हे जो प्रदेश में प्रथम पायदान पर है उसी के निमित्त दलौदा मंडल में किसान दिवस के उपलक्ष्य में विशेष सदस्यता अभियान चलाया भाजपा मंडल सदस्यता अभियान सहप्रभारी श्री हेमंत धनोतिया ने बताया की दलौदा मंडल अध्यक्ष विकास सुराना के नेतृत्व में एवम मंडल सदस्यता अभियान टोली के फतेहसिंह आंजना, घनश्याम बगगड,हार्दिक जैन के आग्रह पर पूरे मंडल में हजारों की संख्या में भाजपा के मिस काल देकर सदस्य बनाए गए हे साथ ही मंडल द्वारा 1 दिवसीय विशेष सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमे मंडल के 10 शक्ति केंद्रो पर भाजपा जिला द्वारा पदाधिकारी तय किए गए थे जिन्होंने प्रत्येक शक्ति केंद्र के बूथों पर जाकर भाजपा के सदस्य बनाए मंडल के 76 बूथों पर सदस्य भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बनाए गए इसी प्रकार प्रत्येक शक्ति केंद्र पर जिले के पदाधिकारी और सदस्यता अभियान के शक्ति केंद्र के विस्तारक उपस्थित रहे इसी को लेकर आज करजू शक्ति केंद्र पर करजू बूथ क्रमांक 204,205 निगम के अध्यक्ष श्री विनोद गोटिया ने सदस्यता अभियान में भाग लिया और बैठक ली और बैठक को संबोधित करते हुए कहा की बूथ पर अधिक से अधिक सदस्य बनाए जो टारगेट पार्टी ने दिया और उससे भी अधिक बनाना हे भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी हे और विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का सदस्य सबको बनाना हे बैठक में जिला भाजपा अध्यक्ष नाना लाल अटोलिया ने भी संबोधित करते हुए कहा की दलौदा मंडल के प्रत्येक बूथ पर अच्छा कार्य चल रहा हे उसको और तेजी लाए और अधिक से अधिक सदस्य बनाए इस अवसर पर बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश पालीवाल, मंडल अध्यक्ष विकास सुराना, रामेश्वर मकवाना, हेमंत धनोतिया, जीवन रातडिया, घनश्याम बगदाद, भवानी प्रताप सिंह सिसोदिया, ईश्वर लाल पाटीदार , बुथ अध्यक्ष भेरूलाल पाटीदार, मुकेश पाटीदार, जगदीश आंजना, श्याम गेहलोद, मुक्तेश्वर सिंह सिसोदिया सहित उपस्थित थे साथ ही अन्य शक्ति केंद्र कचनारा शक्ति केंद्र पर के ग्राम आक्या में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नाना लाल जी अटोलिया ,मंडल अध्यक्ष विकास सुराना, चंद्रशेखर मंडलोई, हेमंत धनोतिया, नंदकिशोर माली, दलौदा रेल भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास सुराना, विस्तारक रमेश धाकड , विशाल राठौड़, बेहपुर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश पालीवाल, भवानी प्रताप सिंह सिसोदिया, जयराज सिंह सिसोदिया, अजय शर्मा शक्ति केंद्र भावगढ ईश्वर लाल पाटीदार, घनश्याम बगगड , निम्बोद शक्ति केंद्र, सुमित सेन, जगदीश शर्मा , राजू कुमावत , नगरी में सौरभ राठी, विजय तांतेड सहित भाजपा के बुथ अध्यक्ष सहित कार्यकर्ताओं ने बूथ पर पहुंच कर सदस्य बनाए।

पपू मीरा माता शांता देवी के गोलोकवासी होने पर केशव सत्संग भवन में श्रद्धांजलि सभा सम्पन्न

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा में प. पू. मीरा माता शांतादेवी के गोलोक वास होने पर संतो के सानिध्य में आज 19 सितंबर को श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन ऋषिकेश के पूज्य संत स्वामी श्री आनंद स्वरूपानंद जी महाराज, पूज्य स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज, पूज्य स्वामी चैतन्यानंद गिरि जी महाराज, पूज्य स्वामी अनिष्ठानंद जी महाराज, श्री धाम वृंदावन की पूज्य चंदा मीरा माता के सानिध्य में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर मीरामाताजी को स्मरण करते हुए बताया कि गृहस्थ आश्रम त्यागकर वानप्रस्थ आश्रम ग्रहण कर 15 वर्षों से जो केशव सत्संग भवन खानपुरा की उम्परी मंजिल जो मीरा भवन के नाम

से जाना जाता है उसमें निवास कर अहर्निश ध्यान, भजन संध्या, पूजन में ही तल्लीन रहते थे। उनके त्याग तपस्या को स्मरण करते हुए संतों के प्रवचन हुए। स्वामी आनंद स्वरूपानंद जी महाराज ने कहा कि भगवान का गुणानुवाद चिंतन मनन करने वाला भगवान का भक्त भगवान से और भगवान अपने ऐसे परम भक्त से कभी जुदा विलग नहीं होते। पूज्य मीरामाता जी ने अपना घर परिवार, संसार को त्याग कर भगवान की भक्ति में लीन रहकर प्रभु प्रेम सत्संग की गंगा बहाते रहे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मीरा माता परिवार के अतिरिक्त बडी संख्या में मीरा माता मंडल की प्रेम राणा, कानन बाला पंडया आदि मातृशक्ति और केशव सत्संग भवन खानपुरा के श्रद्धालु जन ने सम्मिलित होकर मीरा माता को हार्दिक श्रद्धांजलि दी गई। संतों के प्रवचन के पश्चात आरती की गई और प्रसादी भंडारा हुआ। संचालन केशव सत्संग भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश चंद्र सेठिया ने किया आभार पतंजलि योग गुरु बंसीलाल टॉक ने माना।

शंकराचार्य करेंगे आज से शिवमहापुराण कथा

भानपुरा, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। छोटी काशी के नाम से विख्यात भानपुरा के रेवातट शनि मंदिर के पास स्थित आद्य शंकराचार्य सांस्कृतिक भवन में आज 20 से 26 सितम्बर से प्रतिदिन दोप. 3 से 5 बजे तक शिवमहापुराण कथा होगी। व्यासपीठ को ज्योतिर्मठ अवान्तर भानपुरा पीठ के जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी श्री ज्ञानानन्दजी तीर्थ सुशोभित करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए कथा आयोजक जगदीशचन्द्र उपाध्याय ने बताया कि आज प्रात: 9 बजे भव्य कलशयात्रा शंकराचार्य मठ से प्रारंभ होगी जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कथास्थल पर पहुंचेगी। श्री उपाध्याय ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमीजनों से कलशयात्रा एवं शिवमहापुराण कथा में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है।

विकासखंड स्तरीय रोजगार मेला आज भानपुरा में

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया कि दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना अंतर्गत जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोडने के उद्देश्य से विकासखंड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। भानपुरा विकासखंड में 20 सितंबर को जनपद पंचायत परिसर में प्रात: 11 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित किये जायेंगे। अधिक जानकारी के लिये मों. 7222901813 पर सम्पर्क कर सकते है।

कुबेर मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया व पौधारोपण किया

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत अति प्राचीन कुबेर मंदिर परिसर में साफ-सफाई की। वहां पर व्याप्त गाजर घास को उखाडा गया तथा पोलिथीन को एकत्र कर परिसर को साफ किया गया। मंदिर परिसर में श्रमदानियों ने 3 घण्टे श्रमदान कर पूरे परिसर को साफ किया व पौधे लगाये।

गायत्री परिवार के श्रमदानियों ने कहा कि बारिश के दौरान गंदगी से मच्छर पैदा होते है तथा कई प्रकार की बीमारियां होती है। कुबेर मंदिर परिसर की सफाई के लिये मंदिर समिति एवं यहां आने वाले श्रद्धालुओं को भी ध्यान रखना चाहिये। कुबेर मंदिर अति प्राचीन मंदिर होकर यहां दूर-दूर से लोग आते है तथा उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। लेकिन मंदिर परिसर में गंदगी देखकर उनका मन दुखी होता है। मंदिर में साफ सफाई रखना सभी भक्तों का कर्तव्य है। मंदिर समिति मंदिर परिसर में डस्टबिन लगाये जिससे लोग पोलीथीन, फूल आदि उस डस्टबिन में डाले। रमेश सोनी व हर्ष शर्मा

ने कहा कि गायत्री परिवार द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से जुड़कर सफाई अभियान में सहभागिता करें। यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि अपने आसपास का वातावरण साफ सुथरा रखे। समाजसेवी दिनेश पोरवाल ने कहा कि जितने भी मंदिर है सभी मंदिर में पौधारोपण का कार्य करना चाहिये जिससे मंदिर परिसर में हरियाली बनी रहे और वातावरण स्वच्छ रहे। श्रमदान में कादर मंसूरी, रमेश सोनी, हर्ष शर्मा, योगेशसिंह सोम, कन्हैयालाल शर्मा, हरिओम, सुरेश, अरविन्द, शिवम, गिरिश शर्मा, मांगीलाल लक्षकार, बाबूलाल चौहान रिटायर अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत साईकिल रैली सम्पन्न

मनासा, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार द्वारा संचालित स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों के तहत निकाय मनासा ने स्वच्छता जन जागरूकता हेतु दिनांक 18 सितंबर 2024 को साइकिल रैली का आयोजन किया जिसमें ग्रीन फील्ड स्कूल, कार्मेल कान्वेंट स्कूल और रामनाथ मारू स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता कर स्वच्छता जागरूकता का संदेश दिया, एवं स्वच्छता संबंधित नारे भी बोले गए, प्रारंभ स्थल शासकीय रामचंद्र विश्वविद्यालय पर मुख्य नगर पालिकाअधिकारी रितेश कुमार पाटीदार द्वारा साइकिल रैली को हरिजंडी दिखाकर रवाना किया अथवा कारगिल चौराहे तक रैली समापन की और विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता की शपथ ग्रहण की। इस उपलक्ष में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, निकाय कर्मचारी, शिक्षक गण, निकाय सहयोगी स्वच्छ भारत मिशन एनजीओ टीम, विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

बंसल और साथीगण 24 को हरिद्वार जाएंगे

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पार्षद, समाजसेवी और सेवा बैंक के संचालक सुनील बंसल आगामी 24 सितंबर मंगलवार को निराश्रित या निर्धन दिवंगतों के अस्थि कलश लेकर गंगा जी में प्रवाहित करने हरिद्वार रवाना हो रहे हैं। श्री बंसल अभी तक प्राप्त 50 पुरुषों और 13 महिला दिवंगतों के अस्थि कलश गंगा जी में प्रवाहित करेंगे। व 13 वानरों की अस्थियां भी ले जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि विगत 30 वर्षों से एक हजार से भी अधिक निराश्रित निर्धन दिवंगतों की अस्थियां गंगा जी में प्रवाहित की है। निराश्रितों का अंतिम संस्कार भी श्री बंसल करते हैं। कोरोना काल में एक दिन में 40 शवों का अंतिम संस्कार श्री बंसल द्वारा किया गया।

जबकि उस दौरान मृतकों के परिजन भी अंतिम संस्कार करने जाने में संक्रमण भय महसूस करते थे। उनके साथ इस पुनीत कार्य हेतु साथी भरत शिंदे, सज्जन खिमेसरा, चंद्रशेखर निगम, पंकज पोरवाल, शंभूसेन राठौर, कन्हैयालाल दया, बंशी साहू, सुरेश राठौर, रोहित कुमावत आदि भी जाएंगे। श्री बंसल और साथी गण 24 सितम्बर मंगलवार को प्रात: 11.30 बजे प्रस्थान करेंगे। किसी भी निराश्रित या निर्धन दिवंगत के अस्थि कलश उनके गणपति चौक स्थित संस्थान पर इस दिन प्रात: 11.30 बजे के पहले उपलब्ध करा सकते हैं। या उनके मोबाईल नम्बर 9425105777 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

मां-बेटे पर मारपीट का प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में मां-बेटे पर केस दर्ज हुआ। काचरिया चन्द्रावत निवासी कारीबाई गायरी ने पिपलिया चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरी काकी सास कमलाबाई पति खेमराज गायरी व जगदीश पिता खेमराज गायरी मुझे बोले कि तेरे पास पैसा नही था, इसलिए तेरी लडकी ने भागकर शादी की। मैंने ताने मारने से मना किया तो दोनों ने गालियां दी, धक्का-मुक्की की, जिससे कमर में चोंट आई।

कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड जिला अध्यक्ष बने अंसार मंसूरी

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष श्री गजानन तिवारी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी व कांग्रेस सेवादल प्रदेश अध्यक्ष श्री योगेश यादव की सहमति से कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष पद पर अंसार मंसूरी (लामगिरी) की नियुक्ति की गई है। इस नियुक्ति पर अंसार मंसूरी ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक श्री विपिन जैन व कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया है। मंसूरी जल्द ही पदभार ग्रहण कर जिला दौरा करने के बाद अपनी कार्यकारिणी का गठन करेंगे। मंसूरी पहले छात्र संगठन एनएसयूआई और युवा कांग्रेस में काम कर चुके हैं।

विकासखंड स्तरीय रोजगार मेले में 147 विद्यार्थी को मिला रोजगार

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत मंदसौर द्वारा सीतामऊ में विकासखंड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें 14 कंपनिया स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस बांसवाडा, संकल्प टेक्नोलॉजी पिपलिया मंडी मंदसौर, गेल इंडियन इंस्टीट्यूट स्किल डेवलपमेंट गुना, वेलसेन फार्मर फर्टिलाइजर आनंद गुजरात, एस आई एस नीमच, मारुति सुजुकी गुजरात,

जय भारत मारुति गुडगांव, शिव सोलुसन अहमदाबाद, अटेला ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज दलौदा, जे बी एम कंपनी अहमदाबाद, नवभारत फर्टिलाइजर इंदौर, मेक्रोन मदरसन कंपनी गुजरात, एलआईसी इंडिया कंपनी मंदसौर, केश कंस्ट्रक्शन इंदौर कंपनिया उपस्थित हुई। मेले में 174 विद्यार्थी ने पंजीयन कराया गया जिसमें से 147 विद्यार्थी को चयन किया गया। श्रीमती सोनिया कटारा जिला प्रबंधक रोजगार एवं कौशल उन्नयन व विकासखंड सीतामऊ के आजीविका मिशन के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पोषण माह अंतर्गत कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय पोषण माह अभियान के तहत 30 सितंबर 2024 तक जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। जिसके अंतर्गत आज नगर पालिका सभाकक्ष मंदसौर में पोषण अभियान पोषण माह अभियान अंतर्गत कार्यक्रम में पोषण, पौष्टिक एवं संतुलित आहार, बच्चों हेतु प्रारंभिक 1000 दिवस के दौरान पोषण, स्वास्थ्य एवं देखरेख, व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा अंतर्गत चिंहांकित 6 माह से 3 वर्ष एवं 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पोषण अभियान एवं स्वच्छता संबंधी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया साथ ही पौष्टिक खाली एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में जानकारी दी गई। आंगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा टेक होम राशन से पौष्टिक व्यंजन बनाकर व्यंजन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा व्यंजन प्रदर्शन में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा पोषण अभियान हेतु शपथ दिलाई गई। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्रीमती देवकुंवर, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री पीसी. चौहान, जिला समन्वयक पोषण अभियान श्रीमती ममता खींची, जनप्रतिनिधि एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संत निरंकारी मण्डल द्वारा महिला संत समागम 22 को मंदसौर में

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। संत निरंकारी मण्डल दिल्ली जोन उज्जैन शाखा मंदसौर के तत्वावधान में उज्जैन जोन स्तरीय महिला संत समागम का आयोजन 22 सितम्बर रविवार को प्रात: 11 से दोप. 2 बजे तक सिन्धु महल पंप हाउस के पीछे धानमंडी मंदसौर पर रखा गया है। मंदसौर मीडिया सहायक श्री शीतलदास कोतक ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता भीलवाडा से पधार रही बहन रूकमणी भूषण करेगी। इस कार्यक्रम में उज्जैन जोन में आने वाले लगभग 15 शहरों की बहने सहभागिता करेगी। संत समागम में भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी तथा बाहर से आये विद्वतजनों द्वारा अपने विचार व्यक्त किये जायेंगे। उज्जैन जोन के इंचार्ज श्री राजकुमार गंगवानी, मंदसौर संयोजक श्री महेश देवनानी ने सभी धर्मालुजनों से विनती की है कि अधिक से अधिक संख्या में सत्संग में आकर सतगुरू का आशीर्वाद प्राप्त करे।

एनएसयूआई के प्रदेश सचिव बने हरीश पाटीदार

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रदेश अध्यक्ष श्री आशुतोष चौकसे द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें हरीश पाटीदार हनुमंती को प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया।

हरीश पाटीदार हनुमंती की यह नियुक्ति एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वरूण चौधरी, प्रदेश प्रभारी द्वय श्री महावीर गुर्जर एवं सुश्री रितु बराला, मंदसौर विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री विपिन जैन की सहमति व स्वीकृति से की गई। हरिश पाटीदार हनुमंती 2016 से एनएसयूआई से जुडे है। वह एनएसयूआई के दलौदा ब्लॉक अध्यक्ष पद पर भी रहकर छात्रों की हित में लगातार संघर्षरत रहे है। वर्तमान में वे एनएसयूआई के आगर जिला प्रभारी है। उनके कांग्रेस पार्टी एवं एनएसयूआई में सक्रिय भूमिका को देखते हुए प्रदेश सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। हरीश किसान परिवार से होकर उन्होंने छोटे से गांव से निकलकर अपना राजनीतिक जीवन की शुरूआत की है। हरीश पाटीदार हनुमंती की इस नियुक्ति पर इष्टमित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

दिनांक 20 सितम्बर 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है...?

यदि किसी जातक की जन्म कुंडली में बुध ग्रह अच्छा है तो वह विशेष बुद्धिमान तथा अपनी वाणी से लोगों को प्रभावित करने वाला होगा। उसके अधिकतर कार्य अपने बुद्धिबल और वाक्शक्ति से ही संपन्न होंगे। वह जातक परिस्थिति के अनुसार उचित शब्दों का चयन करने में स्वत: ही सक्षम होगा।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

एआरटी केन्द्र जिला चिकित्सालय में सामाजिक सुरक्षा स्कीम केम्प सम्पन्न

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक सुरक्षा केम्प का उद्देश्य एचआईवी सक्रंमित एंव प्रभावित परिवार के साथ जी रहे परिवारों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना, पात्र परिवारों को जोडना एंव समाज में उक्त के संबंध में कंलक एंव भेदभाव के प्रति लोगो को जागृत करना था जिससे प्रभावित परिवारों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके एंव सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो सके। इस अवसर परं श्रीमति देवकुंवर सोलंकी डिप्टी कलेक्टर ने उपस्थित सभी हितग्राहियो को सामाजिक कल्याण एंव न्याय विभाग से जुडी योजनाएं, विधवा पेशंन, वृद्धावस्था पेशंन के बारे में जानकारी प्रदान की, वृद्धावस्था पेशंन के पात्र हितग्राही की आयु 60 वर्ष तथा विधवा पेशंन के लिए हितग्राही के पास मृत्यु प्रमाणपत्र होना आवश्यक है। इसके साथ ही समस्त हितग्राहियों को स्वस्थ रहने की शुभकामनाएं दी। मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डा.गोविन्द सिंह चौहान द्वारा हितग्राहियों को माननीय प्रधानमंत्री महोदय की महत्वकांक्षी योजना आयुष्मान भारत निरामयम योजना के बारे में बतलाया कि जो कि उक्त योजना के लिए पात्र होते हैं उन्हें एक वर्ष में 5 लाख तक का नि:शुल्क ईलाज का लाभ मिलता है। आप सभी एआरटी में दी जाने वाली दवाओं को प्रतिदिन लें एंव अपने स्वास्थ्य का बेहतर ख्याल रखें। श्री पी.सी चौहान उप संचालक महिला बाल विकास द्वारा बच्चों एंव महिलाओं के लिए विभाग में चल रही योजनाओं जैसे लाडली लक्ष्मी योजना, मातृ वंदना योजना, तथा पोषण आहार योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान दी एंव आंगनबाडी में 5 वर्ष तक के बच्चों को भेजने के संबंध में भी अवगत कराया। समस्त हितग्राहियों का आत्मविश्वास बढाते हुये कहा कि आप सभी दीर्घायु रहें, एंव अपनी रोगप्रतिरोधक क्षमता को बनाये रखें। नोडल अधिकारी डा. निशान्त शर्मा एड नियन्त्रण एंव रोकथाम इकाई द्वारा आज के शिविर के विषय में सभी को अवगत कराया , अतिथियों का स्वागत किया, एंव विभिन्न विभागों से आये हुये प्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि जो आवेदन आपको भेजे जाये उनको यथासमय समाधान करने का कष्टकरें। श्री प्रकाश दोडवे श्रम विभाग द्वारा संबल कार्ड, श्रम कार्ड, से मिलने वाले लाभों के बारें बताया गया। श्रीमति अराधना खडिया खाद्य विभाग द्वारा पात्रता पर्ची के आवश्यक दस्तावजे एंव योजना से मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी प्रदान की। उक्त केम्प में 21 हितग्राहियों के आवेदन विभिन्न योजनाओं से जोडने हेतु भरवाये गये।

डॉ. कमलेश कुमावत सीनियर मेडिकल आफिसर एआरटी केन्द्र द्वारा शिविर में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया एंव कार्यक्रम का संचालन चैनपाल सिंह राठौर फार्मासिस्ट एआरटी केन्द्र मंदसौर द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा.एम.एल कश्यप जिला मीडिया अधिकारी, डी.आई.एस श्री राजेश जी रजक, श्रीमति सरिता तुगनावत, श्रीमति ममता भाटी, श्रीमति बीना व्यास शर्मा, लिंक वर्कर स्कीम से सोनू पालीवाल, मेघा साल्वी, टी.आई परियोजना से शेलेन्द्र सिंह भाटी, नीलम बोहरा, प्रीति, शहनाज बानो, अंजली मालवीय, विहान परियोजना से विजय राठोर, नरेन्द्र मेहर, मुनव्वर हुसैन उपस्थित थें।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	41	2609	2651
उडद	85	5501	7210
सोयाबीन	6000	3600	4730
गैहु	3500	2520	3101
चना	205	6500	7207
मसुर	199	5500	6211
धनिया	754	5301	6881
लहसुन	11200	9000	25000
मैथी	980	5300	6272
अलसी	1890	5400	6300
सरसो	618	5100	5981
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	83	10000	13831
प्याज	1800	1651	4301
कलोंजी	15	16601	19900
डॉलर	33	8901	12107
तिल्ली	144	9450	13801
मटरसुखी	6	5553	6632
असालीया	97	11001	14000

शिल्पकारों द्वारा बनाई गई मूर्तियां उत्कृष्ट -राष्ट्रपति

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने महाकाल लोक के शिल्पकारों से संवाद किया, शिल्पकारों को एक-एक लाख रुपए प्रदान किए जाएंगे

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने श्री महाकाल लोक में पाषाण की मूर्तियों का निर्माण करने वाले शिल्पकार श्री ईश्वर चन्द्र महाराणा, शिल्पकार श्री आदित्य महाराणा, शिल्पकार श्री सुरेश कुमार ओझा, शिल्पकार श्री अक्षय कुमार महाराणा से त्रिवेणी सभा मण्डप में भेट कर संवाद किया। सभी शिल्पकार ओड़िशा प्रदेश के पुरी जिले के रहने वाले हैं। जब राष्ट्रपति ने शिल्पकारों से संवाद किया तब सभी शिल्पकार काफी उत्सुक थे। खुशी के मारे शिल्पकारों के आंसू निकल आए।

शिल्पकारों से संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि आप महाकाल लोक में मूर्ति का निर्माण कर रहे हैं, यह पूरे देश विशेषकर ओडिशा राज्य के लिये गर्व का विषय है। उन्होंने शिल्पकारों द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में विस्तार से पूछा। उन्होंने शिल्पकारों से कहा कि पढाई सभी लोग करते हैं, लेकिन कला सबके पास नहीं होती है। आपके द्वारा किए जा रहे कार्य बहुत सराहनीय है। इस दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने शिल्पकारों को शॉल, श्रीफल भेंट किये। शिल्पकारों द्वारा राष्ट्रपति को पाषाण का शिवलिंग भेंट किया। वर्तमान में शिल्पकार महाकाल लोक में शिव, कमल, सप्त ऋषियों इत्यादि की मूर्तियां बना रहे हैं। मूर्तियां बनाने का अधिकांश कार्य पूर्ण होने की कगार पर है। शिल्पकारों ने देश भर में पत्थर की अनेक मूर्तियां और मंदिर निर्माण किए हैं। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि इन शिल्पकारों को प्रोत्साहनस्वरूप एक-एक लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी।

होम्योपैथी स्वास्थ्य शिविर संपन्न

नीमच, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले की मनासा तहसील के गांव आंतरी बुजुर्ग में आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाकर मलेरिया बुखार की दवाई वितरित की गई। गांव में पिछले महीने से वायरल बुखार, मलेरिया के मरीज विभाग के संज्ञान में आए हैं गांव वासियों की सूचना पर आयुष विभाग के अधिकारियों ने गांव आंतरी पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित मलेरिया दवाई का वितरण किया गया। शिविर में आयुष विभाग के चिकित्सक डॉ.विवेक शर्मा, डॉ भरत कुमार पाटीदार, कंपाउंडर श्री हरिशदास बैरागी, कंपाउंडर आयुष होम्योपैथी अधिकारी उपस्थित थे। स्वास्थ्य अधिकारी श्री शिवसिंह भाटी ने शिविर मे जांच की तथा आवश्यक दवाई वितरण किया।

महिला को पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। महिला के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। आक्यामेडी निवासी किराण पिता अर्जुन माली ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई भगतराम पिता मदनलाल माली बोला कि तेरा पति मेरे खिलाफ बोलता रहता है। गाली-गलौज कर बांस की लकडी से मारपीट की। बीच-बचाव करने आई मेरी सास रामकन्याबाई को भी पीटा। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया।

पत्नी को पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पत्नी के साथ मारपीट करने वाले पति पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। रिस्थल निवासी अनिता मालवीय ने पति राजेश मालवीय ने बताया मेरे साथ सोयाबीन काटने चल। मेरे बेटी की तबीयत खराब होने से जाने से मना किया तो गाली-गलौज कर लात-घुसों से पीटा, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने राजेश के खिलाफ केस दर्ज किया।

ब्रम्हलीन स्वामी सत्यामित्रानंदजी गिरी का प्रकाशोत्सव मनाया

भानपुरा, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। ब्रम्हलीन स्वामी सत्यमित्रानंदजी गिरी महाराज संत समाज के प्रेरणा स्त्रोत महान तपस्वी और विद्वान संत थे। वे त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति थे। उनके विचार और शिक्षाएं सदैव समाज का मार्गदर्शन करती रहेंगी। उनकी शिक्षाओं पर चलते हुए धर्म, राश्ट्र और मानव की सेवा में योगदान का संकल्प ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। उक्त आशय के उद्गार शंकराचार्य मठ भानपुरा में ज्योतिर्मठ अवांतर भानपुरा पीठ के वरिष्ठ शंकराचार्य, भारत माता मंदिर के संस्थापक और पद्म भूषण से सम्मानित ब्रम्हलीन स्वामी सत्यमित्रानंदजी गिरी महाराज के प्राकट्योत्सव पर आयोजित समारोह में जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ ने व्यक्त किए। समारोह में दण्डी स्वामी संतों एवं आमजन ने धर्मसंस्कृति को लेकर ब्रम्हलीन स्वामी सत्यामित्रानंदजी गिरी महाराज के योगदान को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बडी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

उज्जैन में होगी मलखंब और जिम्नास्टिक अकादमी की स्थापना, प्रदेश में एडवेंचर गेम्स को देंगे बढ़ावा

भोपाल, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में अब मलखंब और जिम्नास्टिक को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए उज्जैन में मलखंब और जिम्नास्टिक अकादमी की स्थापना की जाएगी। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शैक्षणिक योग्यता के आधार पर खेल कोटे से नौकरी दी जाएगी।

ओलंपिक और एशियन गेम्स पदक विजेता खिलाड़ियों को राजपत्रित अधिकारी के पद पर नियुक्ति दी जाएगी। इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मंत्रालय में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए दिए।

खेल कोटे से नौकरी दी जाएगी- मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों को बढावा देने के लिए सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है। ओलंपिक एवं एशियन गेम्स में पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को राजपत्रित अधिकारी के पद पर नियुक्ति दी जाएगी। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शैक्षणिक योग्यता के आधार पर उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, वन, आबकारी, परिवहन, पुलिस और जनजातीय कार्य विभाग में खेल कोटे से नौकरी दी जाएगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग को इसके लिए प्रस्ताव कैबिनेट में लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कहा कि विभिन्न जिलों से युवाओं का चयन कर साहसी खेल गतिविधियों का आयोजन करें। प्रत्येक जिले में खेल स्टेडियम में एक हेलीपेड भी हो।

काठियावाड़ी घोड़ों को शामिल करें- मुख्यमंत्री ने कहा कि घुड़सवारी के खेल के लिए काठियावाड़ी घोड़ों का प्रदर्शन अच्छे स्तर का होता है। हम काठियावाड़ी घोड़ों को खेलों में शामिल करते हैं तो और भी बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है। इस पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि घुड़सवारी एवं शूटिंग में मध्य प्रदेश का प्रदर्शन अच्छा है। खेल अकादमी में प्रशिक्षण के लिए 32 घोड़े हैं।

अब संचालक बनेंगे महानिदेशक खेल- विभागीय मंत्री विश्वास सारंग ने बैठक में संचालक खेल के पद को महानिदेशक खेल और संयुक्त संचालक पद को संचालक खेल के पद पर उन्नयन का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री ने नियमानुसार इसका प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कहा कि खेल समारोह का आयोजन कैलेंडर बनाकर करें और इसे किसी दिन विशेष से भी जोड़ें। राष्ट्रीय स्तर पर खेल मंथन शिविर के प्रस्ताव पर कहा कि एक दिन राज्य और एक दिन राष्ट्रीय स्तर पर मंथन के लिए रखें।

ओजोन फोर लाइफ-2024 थीम पर पोस्टर प्रेजेंटेशन सम्पन्न

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस , राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि दिनांक 19.09.2024 को रसायन विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत ओजोन फोर लाइफ- 2024 थीम पर पोस्टर प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गयाँ

सर्वप्रथम कार्यक्रम के अंतर्गत मां सरस्वती का माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया तथा दीप प्रज्वलन के दौरान एमएससी फाइनल रसायन के छात्र कृष्णकांत जैन द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई जनभागीदारी अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी ने अपने उदबोधन में विद्यार्थियों को शुभकानाए दी। दीप प्रज्वलन के पश्चात प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने 24वें अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस की थीम ओजोन फोर लाइफ के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी तथा ओजोन परत के संरक्षण हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया । इसके पश्चात रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर खुशबू मंडावरा ने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के उपाय जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग अधिकाधिक एवं क्लोरोफ्लोरोकार्बन उत्सर्जित करने वाले उपकरणों का उपयोग कम से कम करने का प्रयास आदि के बारे में विस्तृत रूप से समझाया। पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. संतोष शर्मा, सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) डॉ. कोमल मूलचंदानी, सहायक प्राध्यापक (भौतिक) एवं डॉ. बी.आर.स्वामी, सहायक प्राध्यापक (भौतिक) रहें। उक्त कार्यक्रम की संयोजक प्रो.शिवानी जाट ने प्रतियोगिता के पश्चात प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कियें जिसमें प्रथम कु. शुभांगी सोलंकी, (एमएससी थर्ड सेम रसायन), द्वितीय कु.ज्योति मोड (एमएससी फर्स्ट सेम रसायन) तृतीय गौरव प्रताप सिंह (बीएससी तृतीय वर्ष) एवं चतुर्थ कु. आयशा जावेद (एमएससी थर्ड सेम रसायन) रही। कुछ विद्यार्थियों द्वारा ओजोन फोर लाइफ विषय पर ड्राइंग पोस्टर भी प्रस्तुत किए गएं जिसमें प्रथम अमरीन (बीएससी तृतीय वर्ष) द्वितीय हिमशिखा यादव (बीएससी प्रथम वर्ष) एवं तृतीय हर्षित जैन (बीएससी प्रथम वर्ष) रही । पोस्टर प्रेजेंटेशन के दौरान विद्यार्थियों ने ओजोन होल, हलोजेंस, क्लोरोफ्लोरोकार्बन, मोंट्रियल। क्योटो प्रोटोकॉल, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन डेप्लेटिंग सब्सटेंस (ओडीएस) आदि बिंदुओं पर विस्तृत रूप से प्रस्तुत करते हुए ओजोन परत संरक्षण हेतु नवीन उपाय एवं सुझाव बताएँ। निर्णायक की भूमिका में रहे डॉ. संतोष शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेजेंटेशन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी देते हुए विषय ज्ञान से संबंधित .एऊग्रा वेबसाइट पर डाटा सर्च करने की जानकारी दी।

प्रदेश में महिला व्यवसायियों के लिए हर जिले में लगेंगे साप्ताहिक हाट, निर्यात सुविधाएं बढ़ेगी

भोपाल, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल हाट और प्रदेश के अन्य स्थानों पर महिला व्यवसायियों के लिए साप्ताहिक महिला हाट में विभिन्न उत्पादों की बिक्री की व्यवस्था की जाए। छोटे, घरेलू उद्योगों से जुड़े लघु व्यवसायियों को उनके उत्पाद के ऑनलाइन विक्रय की सुविधाएं उपलब्ध कराएं।

ऐसे उत्पाद बनाने का लक्ष्य रखें जो प्रदेश और देश में बिकने के साथ ही भविष्य में निर्यात किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री बुधवार को मंत्रालय में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कह, दोना-पत्तल निर्माण जैसे छोटे उद्योगों में प्लास्टिक के स्थान पर वनस्पतियों से उत्पाद के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाए। मूर्ति शिल्पकारों को उन्नत प्रशिक्षण दिलवाएं। धार्मिक महत्व के स्थानों पर भगवान जी के वस्त्र निर्माण कार्य के लिए भी स्थानीय व्यक्तियों को दक्ष बनाएं, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ मिल सके। बांस उत्पादकों को प्रोत्साहन देकर अगरबत्ती निर्माण जैसे कुटीर उद्योगों को लाभान्वित करें। आवश्यकता होने पर नदियों के किनारे बांस के पौधे लगाएं। लाडली बहनों को हैंडलूम से जोड़ा जाए। नए खुलने वाले उद्योगों के पास ही श्रमिकों के लिए विकसित हो रहवास सुविधा श्रम विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों के पास श्रमिकों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। नए उद्योग जहां स्थापित हो रहे हैं, वहां श्रमिकों के लिए रहवास सुविधा हो। औद्योगिक क्षेत्रों में झुग्गी-बस्तियों का नियंत्रण भी इससे हो सकेगा। श्रम विभाग द्वारा इस्कान जैसी संस्थाओं से संपर्क कर उनकी तर्ज पर भोजन व्यवस्था भी प्रारंभ की जाए। रोजगार आधारित उद्योगों के लिए औद्योगिक संस्थान में ही प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की जाए। बैठक में श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि 16 नगर निगम क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए आदर्श रैन बसेरे बनाए जा रहे हैं।

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि कछावा का 10 वें दिन अनशन समाप्त

16 मांगों में से 4 प्रशासन ने मानी, 12 मांगों का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा, जिला पंचायत प्रभारी सीईओ डामोर ने ज्यूस पिलाकर समाप्त किया अनशन

मनासा, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। 16 सुत्रीय मांगो को लेकर जनपद पंचायत के सामने आमरन अनशन कर रहे जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी आर.सागर कछावा का अनशन 10 वें दिन समाप्त हुआ। प्रशासन ने 16 मांगो में से 4 मांगे मानी वही 12 मांगो का प्रस्ताव बनाकर राज्य शासन को भेजा। प्रशासन की ओर से प्रभारी जिला पंचायत सीईओ अरविंद डामोर से अनशन स्थल पर पहुचे और अनशनकर्ता कछावा से चर्चा कर उपस्थित किसानो एंव आमजन की मौजुदगी में सीईओ ने 4 मांगे मानने और अन्य मांगो का प्रस्ताव बनाकर राज्य शासन को भेजने की बात कहीं। जिस पर कछावा ने सहमति जताते हुए अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया। जिला पंचायत सीईओ प्रदेश कांग्रेस महामंत्री मंगेश संघई और जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष चंद्रशेखर पालीवाल ने माला पहनाई और ज्यूस पिलाकर अनशन को समाप्त करवाया।

आदीवासी किसानो और आमजन के साथ निजी कंपनीयों द्वारा प्रशासन के साथ मिलकर जमीनो की गडबडी कर

हथियाने सहित 16 मांगो को लेकर 10 सितंबर से सरकार और प्रशासन के खिलाफ सर्व समाज के साथ जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी आमरन अनशन कर रहे थे। पिछले दो दिनो से कछावा का स्वास्थ्य बिगडने और सर्व समाज के सडक पर उतरने के बाद प्रशासन हरकत में आया। प्रशासन ने 10 वें दिन जिला पंचायत सीईओ को प्रतिनिधी के तौर पर भेजा और मांगो 4 मांगो को हल करने की हामी भरने पर अनशन को समाप्त किया। अनशन कर रहे जिला पंचायत सदस्य कछावा ने कहा कि मेरे द्वारा 10 दिनो तक जो तपस्यां की गई वो पुरी ईमानदारी से की गई तपस्या थी। जिसका परिणाम यह रहा कि 16 मांगो में से 4 मांगे तो मान ली गई है और 12 मांगे जो शासन स्तर की है उनका प्रस्ताव बनाकर प्रशासन ने राज्य ष्शासन को भेज दिया है। इस मामले में एसडीएम पवन बारिया से भी विस्तार से प्रतिनिधी मंडल ने चर्चा की थी। कछावा ने कहा कि आप चिंता नही करे यह लडाई अंतिम नही है। अन्याय के खिलाफ मेरा संघर्श अंतिम सांस तक जारी रहेगा। वही जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी ने रावली कुडी में चित्ता प्रोजेक्ट के आने के बाद मर रही गायो को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि भाजपा गौ भक्त होने का सिर्फ ढोंग करती है। भाजपा के लोग नकली गौ भक्त बनते है। गायो की रक्षा करने की बजाए गायो को मारने पर तुली हुई है। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री मंगेश संघई ने कहा कि कछावा ने जो 16 सुत्रीय मांगो को लेकर 10 दिनो तक अनशन किया है उसके बाद भी प्रशासन ने 4 मांगो को माना है। यह आधी जीत हुई है बाकी रही मांगो के लिए कछावा के साथ पुरी ताकत के साथ कांग्रेस लडाई को लडेगी। और राज्य शासन से 12 मांगे जो है उनको मनाने पर सडक से लेकर सदन तक लडेगे। संघई ने कहा कि इतनी बडी तपस्यां से क्षेत्र के किसानो को जो न्याय मिला है उसके लिए कछावा के संघर्श का परिणाम है। जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष चंद्रशेखर पालीवाल ने कहा कि प्रशासन यह नही समझे की निजी कंपनीयों और सरकार द्वारा रामुपरा क्षेत्र के खिमला और रावली कुडी में जिस तरह से अन्याय किया गया। उसकी लडाई अभी आधी हुई है। समय आने पर इस लडाई को पुरा लडने के लिए जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी के साथ कांग्रेस लडेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश धनगर, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष लखन तुगनावत, कुकडेष्वर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश राठौर, पूर्व किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओम रावत, भाजपा नेता दिनेश राठौर, गांधी विचारमंच के महेश नंदवाना, युवा कांग्रेस महासचिव हिम्मतसिंह चंद्रावत छोटु बना, उशा सचदेवा, मोना शर्मा, पूर्व जनपद पंचायत सदस्य जाकीर अंसारी, सहित खिमला और रावली कुडी के किसान एंव सर्व समाजजन उपस्थित रहे।

अनशन समाप्त करने के बाद कछावा अनशन स्थल से सीधे अपने आराध्यदेव गाताष्याम से जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नखरा कछावा के साथ आशीर्वाद लेने के लिए रवाना हुए। किसानो ने किसान नेता कछावा को माला पहनाकर सम्मान कर उनके हर संघर्श में साथ देने का वादा किया।

प्रशासन ने ये 4 मांगे मानी - जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी की 16 सुत्रीय मांगो में से जो मांगे प्रशासन ने मानी है उनमें खिमला ब्लाक में हुई जमीनो की रजिस्ट्रीयां जिस सर्विस प्रोवाइडर के यहां हुई उसका भाई पटवारी है उन सभी रजिस्ट्रीयों की जांच के दौरान पटवारी भाई को हटाने की कार्रवाई कर जांच की जाएंगी। प्रशासन द्वारा जो आबादी क्षेत्र का सर्वे नंबर कंपनी को अलाट किया गया उसकी जगह दुसरा सर्वे नंबर जिस पर किसी का अतिक्रमण नही हो वह जांच कर अलाट किया जाएंगा। दिलीप बिल्डकॉन कंपनी द्वारा जो क्षेत्र के किसानो के खेतो और गांवो में खुदाई की गई उन्हे सुधारने के लिए प्रशासन ने कंपनी को आदेश जारी किया। वही वाटर शेड समिति में हुए भ्रष्टाचार की जांच के आदेश जारी किए गए। वही 12 जो मांगे जो राज्य ष्शासन स्तर की है उनका प्रस्ताव बनाकर भेजेगे।

16 सुत्रीय मांगो में से जो 4 मांगे प्रतिनिधी मंडल ने प्रशासन के समक्ष रखी थी उनकी जांच कर हल किया गया। वही 12 मांगो का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजेगे। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी को ज्यूस पिकलाकर अनशन समाप्त करवाया।

अरविंद डामोर, प्रभारी सीईओ जिला पंचायत नीमच

वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक डा. बटवाल, शिक्षकों व विद्यार्थियों का प्रेस क्लब ने किया अभिनंदन

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र जिले के मल्हारगढ में गत दिवस एक विशेष समारोह में वरिष्ठपत्रकार एवं प्रतिष्ठित न्यूज़ पोर्टल युवा प्रवर्तक एवं मीडिया वाला के ब्यूरो प्रमुख डॉ घनश्याम बटवाल का सार्वजनिक अभिनंदन कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रेस क्लब द्वारा श्रेष्ठ शिक्षकों एवं उच्च अंक प्राप्त प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया।

नगर परिषद सभागार में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति पुरस्कृत जनपद विस्तार अधिकारी श्री लालबहादुर श्रीवास्तव , धर्म धाम गीता भवन ट्रस्ट सचिव एवं प्रमुख समाजसेवी पंडित अशोक त्रिपाठी , जिला भाजपा महामंत्री श्री राजेश दीक्षित ,नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शर्मिला प्रकाश कछावा , उपाध्यक्ष श्री राधेश्याम प्रजापति , सद्भावना समिति संरक्षक समाजसेवी श्री ओमप्रकाश बटवाल , युवा नेता श्री आशीष विजयवर्गीय अतिथि थे । समारोह को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार , जनपरिषद स्टेट जॉइंट सेक्रेटरी , एवं मानव अधिकार आयोग मित्र डॉ घनश्याम बटवाल ने कहा कि पत्रकारिता को संविधान में विशेष दर्जा नहीं है पर समाज और जनसाधारण में भरोसे के आधार पर इसे प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। आपने कहा कि हाल में हुए सर्वे में विधायिका , कार्यपालिका और न्यायपालिका की तुलना में मीडिया की विश्वसनीयता अधिक आंकी गई है , यह जन जन की आवाज़ का प्रतीक है। प्रिंट मीडिया , इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद अब सोशल मीडिया की एक्टिविटी बहुत बढ गई है ओर आज हर व्यक्ति संदेश का त्वरित आदान प्रदान कर रहा है ऐसे में सावधानी जरूरी होजाती है कि ऐसी सूचनाएं और संदेशों को नहीं फैलाएं जो वातावरण विषाक्त बनाती हो और सामाजिक , साम्प्रदायिक सौहार्द को प्रभावित करता है । अतिथियों ने डॉ घनश्याम बटवाल को शॉल , श्रीफल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया । इस मौके पर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों गीतांजलि कछावा , मोहिनी कुशवाहा , शिखा गुप्ता , लक्ष्मी तोडावल , सलोनी पाटीदार एवं श्रेष्ठ शिक्षकों श्री मुकेश साहू , श्री ललित कुमावत , श्री कैलाश चौधरी , श्री रामदयाल टेलर एवं श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव को भी सम्मानित किया गया । आरंभ में मां सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया गया।

मां शीतला माता नवदुर्गा गरबा समिति गांधीनगर का हुआ गठन

नवरात्रि पर होगा परम्परागत रूप से गरबों का आयोजन, 17 अक्टूबर को होगा विशाल भण्डारा

मंदसौर, 19 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी स्थानीय गांधी नगर में माँ शीतला माता के दरबार में नवरात्रि पर 9 दिवसीय गरबा महोत्सव सम्पन्न होगा। आयोजन को भव्यता प्रदान करने हेतु समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वानुमति से गरबा समिति का गठन किया गया। बैठक में बताया कि 3 अक्टूबर से नवरात्रि आरंभ के साथ घट स्थापना की जाएगी तथा गरबों का शुभारंभ होगा। प्रतिदिन धार्मिक गीतों पर परम्परागत रूप से गरबा कर माता की आराधना की जाएगी। दिनांक 17 अक्टूबर को विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। गरबा समिति में कुशालसिंह शक्तावत, राजेंद्रसिंह राणा, राजेंद्रसिंह राणावत, भंवरसिंह पंवार, गोवर्धनसिंह सोलंकी, मनोहर लाल चौहान, विजेंद्रसिंह चुंडावत, डी एस शर्मा, आर एस श्रीवास्तव, डॉ. श्रवण कुमार श्रीवास्तव, परामर्शदाता धर्मपालसिंह देवडा, राजेंद्रसिंह सिसोदिया, जगदीश शर्मा, सुरेश शर्मा, अध्यक्ष राम नारायण प्रजापति, उपाध्यक्ष सुरेश जोशी, भोला भारती सोनी, के सी शर्मा, संगठन मंत्री. रतनलाल चौहान, सचिव बिंदुपालसिंह राठौर, सहसचिव जगदीश मालवीय, कोषाध्यक्ष सुनील बसेर, गरबा संचालक हस्तीमल सांखला, सह संचालक घनश्याम माहेश्वरी बनाये गये। समिति सदस्य के रूप में जितेंद्रसिंह सिसोदिया, सत्यनारायण राव, पूरणमल प्रजापति, आशीष बंसल, गोपाल बंसल, अशोक गौड, जितेंद्र गौड, मदन लाल मालवीय, रघुवीरसिंह देवडा, दिनेश रेठा, सुरेंद्रसिंह कोटा, विनोद ओझा, विष्णु मालवीय, कुणाल बैरागी लिया गया। समिति ने सभी धर्म प्रेमी महानुभावों से निवेदन है कि अपने तन मन धन से सहयोग प्रदान कर इस आयोजन को सफल बनावे।

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन
डॉ. परीक्षित शर्मा
एम.डी. (स्कीन)
शनिवार दिनांक 21 सितम्बर को शाम 5 से रात 8 और रविवार 22 सितम्बर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
सुविधाएं-* चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, * एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, * शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, * गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, * असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, * शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, * लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, * बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, * नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, * सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)
करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

नाम परिवर्तन
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुस्तफा पिता मोइज़ताहेर अली लॉर्ड ने अपना नाम परिवर्तन कर मुस्तफा लॉर्ड पिता मोइज़ ताहेर अली लॉर्ड कर लिया है। भविष्य में मुझे अपने नए नाम मुस्तफा लॉर्ड पिता मोइज़ ताहेर अली लॉर्ड के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।
पता- मुस्तफा मंजिल हाफिज कालोनी, मंदसौर (म.प्र.) 458001

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर शाखा कयामपुर

बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित कयामपुर, नाटाराम, ऐरा, खजूरीगौड़

दिनांक- 10.09.2024

****** वार्षिक साधारण सभा सूचना ******

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा कयामपुर अंतर्गत बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटियों की वार्षिक साधारण सभा अपने-अपने सदस्यों हेतु निम्नानुसार आयोजित की गई है। जिसमें सदस्य अपनी संस्था की वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित होने का कष्ट करें।

क्रं.	सं स्था	स्थान	दिनांक	समय
1	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. कयामपुर	राधा कृष्ण मिलन वाटिका सीतामऊ रोड, कयामपुर	27.09.2024	प्रातः 11.00 बजे
2	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. नाटाराम	संस्था मुख्यालय नाटाराम	25.09.2024	प्रातः 11.00 बजे
3	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. ऐरा	संस्था मुख्यालय ऐरा	26.09.2024	दोप.: 01.00 बजे
4	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. खजूरीगौड़	संस्था मुख्यालय बिशनिया	26.09.2024	प्रातः 11.00 बजे

नोट- 1. निर्धारित समय पर गणपूर्ति नहीं होने की स्थिति में आधे घंटे सभा स्थगित की जाकर उसी स्थान पर पुनः प्रारम्भ की जावेगी। जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी। 2. सभी सदस्यों को डाक के माध्यम से भी सूचना भेजी गई है। अप्राप्ति की स्थिति में इस विज्ञापन को ही सूचना माना जावे।

सही- प्रबंधक एवं प्रशासक

बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. कयामपुर | बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. नाटाराम | बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. ऐरा | बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. खजूरीगौड़

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in